KU Newsletter

August 2025/ Edition 5, Vol. 1, चैत्र मास, विक्रम संवत २०८२

www.kuk.ac.in

ज्ञान, कौशल व सकारात्मक नजरिया – सफलता के मंत्र : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

कुवि मे 'नव–सत्र' ....'नव दीक्षा'.. 'नूतन छात्र अभिनंदन'' समारोह

कुवि परिसर : 'नव–सत्र'....'नव दीक्षा'.. और 'नूतन छात्र अभिनंदन',ये तीन शब्द अगस्त माह की शुरुआत में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सबसे महत्वपूर्ण गति. विधियों की पूरी तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों ने नए विद्यार्थियों के अभिनंदन व मार्गदर्शन के लिए भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया। विशेषतौर पर भारतीय परंपरा के अनुरूप हवन–यज्ञ का आयोजन किया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ इंटिग्रेटिड एण्ड आनर्स स्टडीज में नवदीक्षा एवं विद्यार्थी स्वागत समारोह में कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बतौर मुख्यातिथि संबोधित किया।

उन्हों ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए ज्ञान, कौशल व सकारात्मक नजरिया बहुत महत्वपूर्ण हैं। शिक्षा और दीक्षा एक दूसरे के पूरक शब्द है जिन्हें विद्यार्थियों को समझना चाहिए। शिक्षा सीखने की प्रकिया है जो आप किसी माध्यम से पा सकते हैं लेकिन दीक्षा है गुरु के सानिध्य में रहकर प्रशिक्षित होना।

कुलपति ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा की एकमात्र रा. जकीय विश्वविद्यालय है जिसे नैक द्वारा उच्चतम ए–प्लस–प्लस ग्रेड प्राप्त हुआ है। देश में 1100 से ज्यादा सरकारी व प्राईवेट यूनिवर्सिटी हैं और जिनमें से 60 यूनिवर्सि. टी के पास यह ग्रेड है। स्वायत्तता प्राप्त विश्वविद्यालयों की श्रेणी में विश्वविद्यालय देश में 8वें स्थान पर हैं। विश्वविद्यालय ने देश में खेलों के क्षेत्र में प्रदान की जाने वाली सबसे प्रतिष्ठित मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी में पिछले दो साल में तीसरा स्थान हासिल किया है वहीं सांस्कृतिक गतिविधियों में भी कुवि सभी विश्वविद्यालयों में तीसरे स्थान पर तथा राजकीय विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर रहा है। कुलपति ने कहा कि शिक्षा वह है जो व्यक्ति के ज्ञान(नालेज), आत्मनिर्भरता(स्किल) को बढ़ाए व उसका चरित्र निर्माण(एटिट्यूड) करें। इन तीना. ं को प्राप्त करना ही असली शिक्षा है। उन्होंने विद्यार्थियों को क्यूरोसिटी(जानने की इच्छा), क्रिटिकल थिंकिंग तथा जीवन में नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बिना इच्छा के कुछ नहीं होगा और आंख बंद कर किसी पर भी विश्वास नहीं करना चाहिए। विद्यार्थी उद्यमी बने नौकरी के पीछे मत भागे तथा कुछ बड़ा करने की सोचे व हर परिस्थिति में बिना विचलित हुए अपना कार्य करें।

विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने कहा कि आईआईएचएस संस्थान में दाखिला लेने वाले विद्यार्थी सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें यहां के कुशल शिक्षकों द्वारा शिक्षा दी जाएगी। विद्यार्थी अपने लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत से अपना लक्ष्य प्राप्त करें। आपके द्वारा किए गए व्यवहार से ही पता लगेगा कि आप आ. ईआईएचएस संस्थान के विद्यार्थी है। मंच का संचालन युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक प्रो. विवेक चावला ने किया।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, प्राचार्या प्रो. रीटा, प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. कुसुम लता, प्रो. आनंद कुमार, प्रो. अश्विनी कुश, प्रो. अनिता दुआ, प्रो. विवेक चावला, प्रो. अनुपमा, डॉ. विनीत, प्रो. परमेश कुमार, डॉ. सुनीता, डॉ. ज्ञान चहल, प्रो. निरुपमा भट्टी, प्रो. हितेन्द्र त्यागी, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, डॉ. हरिओम फुलिया, सहित संस्थान के शिक्षक सहित करीब एक हजार विद्यार्थी मौजूद थे। नवदीक्षा एवं विद्यार्थी स्वागत समारोह में प्रो. अनिता दुआ, प्रो. परमेश कुमार व डॉ. अश्विनी कुश ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तार से बताया। प्रॉक्टर प्रो. अनिल गुप्ता ने रैगिंग के प्रति विश्वविद्यालय की जीरो टालरेंस पालिसी, डॉ. ज्ञान चहल ने लिगल लिट. रेसी, प्रो. कुसुम लता तथा डॉ. संतोष दुबे ने विद्यार्थियों को दी जा रही हॉस्टल सुविधाओं, डॉ. सतीश कुमार ने परीक्षाओं, प्रो. जसविन्द्र कुमार ने इंटर्नशिप सेल, डॉ. वीरेन्द्र पाल व डॉ. कविता ने एनसीसी, डॉ. संदीप, डॉ. वीर विकास, डॉ. ज्योति व डॉ. अभिलाषा ने एनएसएस, प्रो. विवेक चावला ने सांस्कृतिक गतिविधियों, तथा प्रो. पूनम कुमारी ने वूमेन सेल के बारे में विस्तार से बताया।

संस्कारों की आभा में सत्र श्रीगणेश

आईएमसीएमटी में नव सत्र शुभारंभ पर यज्ञ आयोजितः कुलसचिव व अम्बेडकर अध्ययन केंद्र निदेशक मुख्य अतिथि

कुवि परिसर : भारतीय परम्प. रा के संस्कारों की आभा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मीडिया शिक्षण संस्थ. ान (आईएमसीएमटी) में 4 अगस्त को नव–सत्र का श्रीगणेश हुआ। संस्थ. ान के नूतन छात्र अभिनंदन समारोह में पूरे विधि–विधान से आयोजित यज्ञ में विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रशास. निक अधिकारियों, संस्थान के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने आहुति अर्पित की। इस अवसर पर कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल व अम्बेडकर अध्ययन केंद्र के निदेशक डॉ प्रीतम ने मुख्य अतिथि के तौर पर नये विद्यार्थियों को संबोधित किया। इसके अतिरिक्त विशिष्ट अतिथि के तौर पर अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. दिनेश कुमार, डीन प्रो. नीलम ढांडा ने भी विद्यार्थियों से संवाद किया। सभी अतिथि अधिकारियों ने कार्यक्रम शुभारंभ पूर्व पौधारोपण भी किया। कुलसचिव ने अपने संबोधन में कहा कि स्टार्टअप के माध्यम से विकास की अपार संभावनाएं हैं।

देश में हजारों समस्याएं हैं तथा इन समस्याओं का काफी हद तक समाधान स्टार्टअप में निहित है। उन्होंने कहा कि संस्थान के छह पूर्व विद्यार्थियों ने अपने स्टार्ट–अप से साबित कर दिया है कि संस्थान और विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की पूर्ति बखूबी कर रहा है। अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि कुवि हरियाणा का ए–प्लस–प्लस ग्रेड प्राप्त करने वाला विश्वविद्यालय है। मीडिया के क्षेत्र में कुवि का महत्वपूर्ण योगदान हैं। यहां के छात्र अपने मेहनत के बल पर नए आयाम स्थ. ापित कर रहे हैं हम उनका यहां स्वागत करते हैं। कुवि डॉ. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने कहा कि छात्रों में संस्कार एवं राष्ट्रीय भावना का समावेश होना जरूरी है। मानवीय मूल्य समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए इन्हें मानव जीवन को बेहतर बनाने का आधार माना जाता है। जीवन में सही मूल्यों वाले व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विकास के आधार स्तंभ बनेंगे। डीन फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट प्रो. नीलम ढांडा ने कहा कि हवन यज्ञ से सत्र की शुरुआत कर मीडिया संस्थान ने छात्रों में नए संस्कार व ऊर्जा भरने का सफल प्रयास किया है। संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने सभी का स्वागत किया व प्रदर्शनी के माध्यम से विभाग की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। विभाग की शिक्षिका रोमा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मीडिया संस्थान में नूतन छात्र अभिनंदन समारोह के उद्घाटन अवसर पर विभाग के जिन छात्रों ने एंटरप्रेन्योरशिप के माध्यम से रोजग. ार के नवीन अवसर दूसरे छात्रों के लिए उपलब्ध करवाएं हैं उन सभी को विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने सम्मानित किया । सम्मानित हा. ने वाले पूर्व छात्रों में हरसिमन सिंह, दीपक श्योरान, मोहित, ज्योतशिखा, मनीष शर्मा, रविन्द्र बेनीवाल शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित प्रदर्शनी में संस्थान की उपलब्धियों एवं प्रगति को प्रदर्शित किया गया। इसके साथ ही कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने मीडिया संस्थान के गतिविधि कैलेंडर को भी जारी किया। इस अवसर पर डॉ. ध ार्मवीर सिंह, प्रो. विवेक चावला, डॉ. अज. ायब सिंह, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. ज्ञान सिंह चहल, डॉ. मधुदीप सिंह, असिस. टेंट प्रोफेसर रोमा सिंह, डॉ. आबिद अली, डॉ. अभिनव, डॉ. तपेश किरण, डॉ. रोशन मस्ताना, गौरव कुमार, राकेश कुमार, सचिन कुमार, अमित कुमार, रा. हुल अरोड़ा, सुनिता, रितु, डॉ. प्रदीप, अपर्णा, कंचन शर्मा, मोनिका, डॉ. सतीश राणा, जितेंद्र रोहिल्ला, कंवरदीप शर्मा के साथ विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

एक पेड़, एक जिंदगी अभियान, पर्यावरण संरक्षण की पहलः कुलपति

कुवि परिसर : एक पेड़ एक जिंदगी मुहिम एक पर्यावरणीय संरक्षण की पहल है जिसका उद्देश्य लोगों को पेड़ लग. ाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित करना है। इस मुहिम के तहत, लोग एक पेड़ लगाते हैं और उसकी देखभाल करते हैं, जिससे पर्यावरण को लाभ होता है और जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आता है।

दुनिया को बदलना है, तो शुरुआत खुद से करनी होगी। एक पौधा या बीज अपने घर या आस–पड़ोस में जरूर लगाएं और एक पेड़ एक जिंदगी अभियान से जुड़कर पर्यावरण मित्र बने। यह उद्गार कुवि के कुल. पति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने एक पेड़, एक जिंदगी अभियान के तहत् कुलपति निवास पर तुलसी के पौधे का बीज रो. पित करते हुए व्यक्त किए। कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुवि ने पर्यावरण संरक्षण की पहल करते हुए एक वर्ष में 75 हजार पेड़ कुवि व उससे संबंधित महाविद्यालयों में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों द्वारा अपनी पढाई के दौरान रोपित करने का निर्णय लिया था जिसे बहुत बेहतर तरीके से क्रियाान्वित भी किया गया है। इसके अंतर्गत कुवि में दाखिला लेने वाला प्रत्येक छात्र पेड़ लगाएगा। पेड़ के संरक्षण एवं सुरक्षा की जिम्मेवारी छात्र की होगी। छात्रों के लिए इस तरह का अभियान चलाकर कुवि प्रकृ ति के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

एक वर्ष का डिप्लोमा कोर्स करने वाले छात्र को भी एक पेड़ लगाना होगा जबकि दो व तीन वर्ष के कोर्स करने वाले छात्रों को दो एवं तीन पेड़ लगाने होंगे। कुलपति ने कहा कि पेड़ भविष्य का आधार हैं। शहर में जितने पेड़ लगेंगे उतना ही शहर प्रदूषण मुक्त रहेगा। जितनी ज्यादा हरियाली होगी पर्यावरण उतना ही स्वच्छ होगा। पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए एक पौधा जरूर लगाएं। अपने आसपास के लोगों को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हमें लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है कि वो एक पौधा जरूर लगाए जिससे पर्यावरण को संतु. लित रखा जा सकता है। इस अवसर पर डॉ. ममता सचदेवा, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, वीरेंद्र कुंडू मौजूद थे।

कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल होंगे शिक्षा रत्न

कुवि परिसर : शैक्षिक उत्कृष्टता, अनुसंध ान, अनुशासन व नेतृत्व क्षमता के अद्वितीय समन्वय के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचि. व डॉ. वीरेन्द्र पाल को 25 वें उन्नत भारत सेवा श्री पुरस्कार 2025 के अंतर्गत शिक्षा रत्न सम्मान से अलंकृत किया जाएगा। यह घोषणा पुरस्कार चयन समिति के सदस्य एवं षड्दर्शन साधु समाज के संगठन सचिव वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक द्वारा की गई, जिन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पहुंचकर डॉ. वीरेन्द्र पाल को व्यक्तिगत रूप से नामांकन पत्र सौंपा।लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पू. निया ने बताया कि डॉ. वीरेन्द्र पाल ने अंग्रेजी साहित्य में पीएच.डी., एलएलबी, एम.फिल., एम.ए., पीजीसीटीई जैसे अनेक उच्च स्तरीय पाठ्यक्रमों के माध्यम से अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त की है। वर्तमान में वे विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर कार्यरत हैं। साथ ही, उन्हा. ंने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्यापन किया और शोध के क्षेत्र में 43 से अधिक शोधपत्र प्रक. ाशित किए, जिनमें से कई स्कोपस व वेब ऑफ

साइंस जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की पत्रिकाओं में सम्मिलित हैं। उन्होंने अकादमिक प्रशासन में भी सशक्त भूमिका निभाई है। एनसीसी अधि ाकारी, अतिथि गृह प्रभारी, छात्र अनुशासन समिति के सदस्य, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के सला. हकार, आईक्यूएसी संयोजक, कॉलेज मैगजीन संपादक जैसे अनेक उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया है। उन्होंने हरियाणा बोर्ड की इतिहास पुस्तकों का सह–अनुवाद किया है और उनके निर्देशन में दो शोधार्थियों ने पीएच.डी. की उपा. धि प्राप्त की है ।कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, को शिक्षा रत्न सम्मान 24 अगस्त को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में दिया जाएगा जिसमें 25 प्रतिष्ठित विभूतियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएग. ा। यह आयोजन उन्नत भारत संगठन ट्रस्ट (पंजी.) एवं माता मनतरी देवी चौरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

उच्च शिक्षा समाज के सामूहिक विकास में भी सहायकः प्रो. एआर चौधरी

कुवि परिसर : कुवि में यूजीसी–मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के संद. र्भ में उच्च शिक्षा और समाज विषय पर ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर, कुवि के ऑनलाइन एवं दूरस्थ शिक्षा केन्द्र की निदेशक प्रो. मंजुला चौधरी ने साइबर–फिजिकल युग में उच्च शिक्षा – एनईपी की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने तकनीकी प्रगति और बदलते डिजिटल परिवेश के संद. र्भ में उच्च शिक्षा के गतिशील परिवत. न को उजागर किया।

प्रो. मंजुला चौधरी ने बताया कि कैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), इंट. रनेट ऑफ थिंग्स और रोबोटिक्स जैसी नवोन्मेषी तकनीकों ने शैक्षिक वातावरण को नया रूप दिया है, जिससे छात्रों और शिक्षकों के लिए नई संभावनाएँ और चुनौ. तियां उत्पन्न हुई हैं। उच्च शिक्षा संस्थानों को तेजी से बदलते तकनीकी, सामाजिक और वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप ढलना होगा। दूसरे सत्र में, छात्र कल्याण अधिष्ठ. ाता प्रो. ए. आर. चौधरी ने उच्च शिक्षा और समाज विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा सामाजिक मूल्यों के निर्माण, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, और वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रो. चौधरी ने बताया कि आलोचनात्मक सोच, अनुसंधान और जनसेवा को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालयों की भूमिका को रेखांकित किया। सत्र के अंत में, पा. ठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सुमन बाला ने दोनों वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने केन्द्र की निदेशक प्रो. प्रीति जैन जी, निदेशक का मार्गदर्शन और समर्थन के लिए भी धन्यवाद प्रकट किया।

कुवि कार्यकारिणी परिषद में सी.ए.एस के तहत 17 शिक्षकों को मिली पदोन्नति

कुवि परिसर : कुवि कार्यकारिणी परिषद की 286 वीं बैठक कुविके कमे. टी रूम में मंगलवार को कुलपति प्रो. सोमनाथसचदेवाकीअध्यक्षतामेंसम्पन्नहुई। कार्यकारिणी परिषद की बैठक में 30 महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। कार्यकारिणी परिषद में सीएएस के तहत् 17 शिक्षकों को पदोन्नति प्रदान करने करने की मंजूरी दी गई। लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि कार्यकारिणी परिषद की बैठक में सीएएस के तहत् केमिस्ट्री विभाग की प्रोफेसर रंजना अग्रवाल को सी. नियर प्रोफेसर पद पर पदोन्नत करने, वहीं सीएएस के तहत् आईआईएचएस के फिजिक्स विभाग के डॉ. आनंद कुमार को प्रोफेसर पद पर पदोन्नति की मंजूरी दी गई। इसके साथ ही सीएएस के तहत् सीडीओई से डॉ. कुशविन्द्र कौर को एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएचएस जूलॉजी से डॉ. सरिता राणा, पर्यावरण अध्ययन संस्थान से डॉ. संदीप गुप्ता व डॉ. हरदीप राय शर्मा, कम्प्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशन विभाग से डॉ. रमेश कुमार, डॉ. संजय त्यागी व डॉ. मो. निका को एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पदोन्नति की मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में सीएएस के अन्तर्गत सेल्फ फाइनेंस स्कीम के तहत् यूआईईटी की डॉ. अमिता मित्तल, डॉ. सोना रानी, डॉ. संजीव धवन, डॉ. चन्द्र दिवाकर, डॉ मोनीश गुप्ता, डॉ. सुनीता खटक व डॉ. राजेश कुमार तथा फार्मेसी संस्थान से डॉ. कमल को एसोसिएट प्रोफेसर पद पर पदोन्नति की अनुशंसा की गई। इसके साथ ही आईआईएचएस के शिक्षकों की सीएएस के तहत् प्रोफेसर पद के लिए पदोन्नति जो 2019 से थी अब वह 2016 से मान्य करने पर चर्चा की गई। बैठक में पंजाबी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. परमजीत कौर को एक वर्ष की अवधि के लिए असाधारण अवकाश (बिना वेतन के) की अनुमति दी गई। डॉ. कौरव मेहला को दंत शल्य चिकित्सक के रूप में छह महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए नियुक्ति विस्तार की अनुमति दी गई। दो वरिष्ठतम सहायक कुलसचि. व राजबाला और कंचनबाला को उप रजिस्ट्रार (बजटीय) के पद पर 7वें वेतन आयोग के अनुसार वेतनमान के साथ तथा दो उप–अधीक्षक हरि सिंह और ममता रानी को अधीक्षक (बजटीय) के पद पर पदोन्नति के लिए अनुमति प्रदान की गई। सहायकों (स्व–वित्तपोषित योजना के अंतर्गत) के पदों के लिए नई कर्मचारी अनुपात योजना के कार्यान्वयन के सं. बंध में समिति की सिफारिशें की गई। बैठक में प्रधान माली और प्रधान सफाई कर्मचारी के पदोन्नति पदों के लिए समि. ति ने सिफारिश की। डॉ. वी.एन. अत्री, अर्थशास्त्र विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर की अंतर्राष्ट्रीय इंडो–पैसिफिक अध्ययन केंद्र (आईसीआईपीएस) के निदेशक के रूप में पुनर्नियुक्ति की आगामी 6 माह के विस्तार की अनुमति प्रदान की गई। बैठक में सरकार द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, सरदार अजीत सिंह कॉलेज (अल्पसंख्यक) निकट एनआई. टी, किरमच, कुरुक्षेत्र कॉलेज का नाम बदलकर एसकेएस कॉलेज, किरमच, कुरुक्षेत्र कर दिया गया है। श्री सत्य पाल सिरोहा, एस.ई. (सेवानिवृत्त) को छह महीने की अवधि के लिए तकनी. की सलाहकार (सिविल) के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी प्रदान की गई। यूआईईटी के निदेशक को 17 मई 2025 से अगले आदेश तक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय के डीन के रूप में कार्य करने की अनुमति प्रदान की गई। इसके साथ ही यूजीसी के निर्देशानुसार वर्ग सी के अंतर्गत प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस ऑन आनरेरी बेसिस के तहत् डॉ. रमेश कुमार मेहता, आनरेरी प्रोफेसर, आईपी. आर तथा आईसीआईपीएस के निदेशक प्रो. वीएन अत्री को पुनः नामित करने की सिफारिश की गई। आईआईएचएस के प्रो. अनिल गुप्ता को 14 जुलाई से अगले आदेश तक प्रॉक्टर के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी प्रदान की गई।

हरियाणा में मानदेय अप्रेंटिसशिप डिग्री प्रोग्राम शुरू करने वाला कुवि बना पहला विश्वविद्यालय

कुवि परिसर : हरियाणा राज्य में मानदेय अप्रेंटिसशिप डिग्री प्रोग्राम शुरू करने वाला कुवि पहला विश्वविद्यालय है। रोजगार–उन्मुख शिक्षा के माध्यम से विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को रोजगार के नवीन अवसर प्राप्त होंगे। यह उद्गार कुवि के कुलपति प्रो. सोमन. ाथ सचदेवा ने सोमवार को कमेटी रूम में अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) का पोस्टर जारी करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनला. इन शिक्षा केन्द्र के माध्यम से तीन वर्षीय स्नातक कार्यक्रमों के तहत् छात्रों को अप्रेंटिस के माध्यम से रोजगार के विविध आयामीय अवसर मिलेंगे। कुवि का उद्देश्य है कि छात्रों के अंदर रोजगार एवं एंटरप्रेन्योरशिप की भावना का जाग्रत करना। इन कोर्स के माध्यम से जहां छात्रों को एक ओर शैक्षणिक कौशल प्राप्त होगा वहीं दूसरी ओर एप्रेंटिसशिप के माध्यम से छात्र अपने कौशल के आधार पर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढाएंगे। इस मौके पर दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्रकी निदेशिका प्रो. मंजुला चौधरी ने बताया कि कुविचार स्नातक कार्यक्रमों के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित कर रहा है। वाणिज्य विभाग के अंतर्गत बी. कॉम. (व्यावसायिक), पर्यटन एवं होटल प्रबंधन विभाग के अंतर्गत बीएमएस (इवेंट मैनेजमेंट), कंप्यूटर विज्ञान एवं अनुप्रयोग विभाग के अंतर्गत सीआईटीए रूसा के सहयोग से बीसीए (उद्योग से जुड़ा), और आईआईएचएस में जैव रसायन विभाग के अंतर्गत बीएससी (मेडिकल लैब टे. क्नोलॉजी – एमएलटी) शामिल हैं। ये तीन वर्षीय, अभ्यास–उन्मुख कार्यक्रम हैं, जिनमें तीसरा वर्ष संबंधित उद्योगों में मानदेय के साथ छात्र अप्रेंटिसशिप करेंगे। इस अवसर कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल, अधिष्ठाता शैक्षणिक मामले प्रो. दिनेश कुमार, एईडीपी समन्वयक प्रो. मंजुला चौधरी,आईटी सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप मित्तल, लोक सम्पर्क विभ. ाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. अनिता दुआ, प्रो. महाबीर नरवाल, उप–निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कुवि तथा विद्या भारती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च ट्रस्ट के बीच हुआ एमओयू

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा की अध्यक्षता में शनिवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग तथा विद्या भारती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च ट्रस्ट, कुरुक्षेत्र. के बीच एमओयू किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल तथा विद्या भारती की ओर से नॉर्थ जोन के प्रधान सुरेन्द्र अत्री ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने एमओयू के लिए बध ाई देते हुए कहा कि अंग्रेजी भाषा आज के संचार के युग में बहुत महत्वपूर्ण स्थ. ान रखती है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। इस एमओयू के तहत् राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों को भारत की ज्ञान परंपरा की जानकारी मिलेगी और इसका विस्तार पूरे विश्व में करने का स्वर्णिम अवसर मिलेगा। प्रो. सचदेवा ने कहा कि एमओयू के तहत् ए–प्लस–प्लस ग्रेड कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय अपनी सुविध ाएं विद्या भारती ट्रस्ट को प्रदान करेगा। भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भारतीय ज्ञान परंपरा का विस्तार स्कूलों व कॉलेजों में करना चाहते हैं, उसी कड़ी के अंतर्गत यह एमओयू कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय को एक तरह की सहायता प्रदान करेगा जिससे कि विद्या भारती के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के विशेषज्ञ विश्वविद्यालय में आकर अपना व्याख्यान देंगे एवं जो भी शोध उनके द्वारा किया गया है उसको भी सांझा करेंगे। एमओयू के तहत् विद्या भारती के नॉर्थ जोन स्क. ूलों के शिक्षकों को विश्वविद्यालय के अंग. ्रेजी विभाग द्वारा अंग्रेजी भाषा के स्किल सिखाए जाएंगे जिसमें स्पीकिंग, रीडिंग, राइटिंग और लिस्निंग शामिल है। इसके साथ ही विद्या भारती की ओर से उनके स्कूलों में विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के छात्रों को इंटर्नशिप करने की सुविधा प्रदान की जाएगी जिससे विद्यार्थियों को कौशल विकास होगा।

अंग्रेजी विभाग के शोधार्थी नार्थ जोन स्कूलों में जाकर लैंग्वेज टीचिंग डाटा एकत्रित कर सकेंगे जिनसे उनको शोध करने में लाभ होगा। नार्थ जोन के प्रधान सुरेन्द्र अत्री ने कहा कि विद्या भ. ारती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च ट्रस्ट, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान का एक अंग है, जो शिक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण और अनुसंधान का कार्य करता है। यह ट्रस्ट शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने, शिक्षा प्रणाली में सुधार करने और भारतीय संस्कृति और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. ब्रजेश साहनी ने सभी अतिथियों का स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर कुलसच. िव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, नार्थ जोन के प्रध ाान सुरेन्द्र अत्री, अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. ब्रजेश साहनी, प्रो. सुनील ढींगरा, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. रश्मि वर्मा, प्रो. सुनीता सिरोहा, गीता स्कूल के मैनेजर वीरेन्द्र वा. लिया सुश्री निधि सच्चर , प्रिंसिपल ऑफ विद्या भर्ती इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च, पंकज, प्रधान पूर्व छात्र संगठन, विद्या भर्ती इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च, रामेन्द्र प्रताप ठाकुर, मैनेजर, विद्या भर्ती इंस्टिट्यूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च मौजूद थे।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा बने निक्षय मित्र

कुवि परिसर : विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने गुरुवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र बनकर एक नेक कदम उठाया। लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल, कुरुक्षेत्र के डिप्टी सिविल सर्जन (टीबी) डॉ. संदीप अग्रवाल तथा विजय पंजेटा ने कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा से टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय मित्र बनने के लिए आग्रह किया था। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि टीबी मुक्त समाज बनाने के लिए समाज के हर वर्ग के लोगों को निक्षय मित्र बनना चाहिए। निक्षय मित्र योजना के तहत कोई भी सक्षम व्यक्ति, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, व्यापारी या संस्था टीबी मरीजों की मदद कर सकती है।

समाज के सभी वर्ग के लोग आगे आकर निक्षय मित्र योजना के जरिए टीबी मरीजों को गोद लेकर उनको ठीक करने में हर संभव सहयोग कर रहे हैं जिससे टीबी मरीजों को जल्द ठीक होने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि निक्षय मित्र योजना समाज की भागीदारी का बे. हतरीन उदाहरण है।

टीबी के इलाज में दवा के साथ पोषण जरूरी है। समाज से मिलने वाला सहयोग मरीजों के मानसिक और शारीरिक विक. ास में मदद करेगा। डिप्टी सिविल सर्जन (टीबी) डॉ. संदीप अग्रवाल ने बताया कि निक्षय मित्र योजना एक तरह से टीबी रोग से पीड़ित लोगों को गोद लेने की योजना है। उन्होंने कुलपति प्रो. सोमना. थ का निक्षय मित्र बनने के लिए आभार प्रकट करते हुए कहा कि टीबी रोग को खत्म करने के लिए उनका समर्थन सामा. जिक जिम्मेदारी और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शा. ता है। हम टीबी मुक्त भारत के लिए इस राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल होने में कुल. पति के प्रेरक नेतृत्व की सराहना करते हैं।

वाणिज्य विभाग द्वारा विभाग की वार्षिक पत्रिका का विमोचन

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा पर्यावरणीय स्थि. रता को बढ़ावा देने और नए शैक्षणिक सत्र का स्वागत करने के लिए वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया तथा वाणिज्य विभाग द्वारा विभाग की वार्षिक पत्रिका का विमोचन भी किया गया जिसमें सत्र 2024–2025 की शैक्षणिक और पा. ठ्यचर्या गतिविधियों को शामिल किया गया है। प्रोफेसर महाबीर नरवाल ने कहा कि विभाग की पत्रिका छात्रों और संकाय के लिए अपनी साहित्यिक और बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है। पौधारो. पण कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने और छात्रों के बीच शैक्षणिक और रचनात्मक विकास को प्रोत्साहित करने में भूमिका निभाता है। प्रोफेसर नीलम ढांडा ने भी इस पहल की सराहना की। उन्होने कहा कि वृक्ष. ारोपण अभियान और वार्षिक पत्रिका का विमोचन वाणिज्य विभाग के समग्र विकास और स्थिरता के प्रति समर्पण को दर्शा. ता है। पेड़ लगाकर, विभाग एक हरित और अधिक स्थायी भविष्य को बढ़ावा दे रहा है, जो शैक्षणिक समुदाय के लिए एक अनुकरणीय मॉडल स्थापित कर रहा है। वृक्षारोपण समारोह में विभाग के डीन प्रो. नीलम ढांडा, विभागाध्यक्ष प्रो. महा. बीर नरवाल, प्रो. अजय सुनेजा, प्रो. सुभाष चंद, एसोसिएट प्रोफेसर रश्मि चौधरी और सहायक प्रोफेसर आशीष सांगवान सहित विभाग प्राध्यापक उपस्थित थे।

'केयू न्यूज लेटर'

विश्वविद्यालय की सामूहिक गतिविधियों का दर्पणः प्रो. चौधरी

कुवि परिसर : कुवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रोफेसर ए. आर. चौधरी ने जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा प्रकाशित 'केयू न्यूज लेटर' के चौथे संस्करण का विमोचन किया। प्रोफेसर ए. आर. चौधरी ने कहा कि 'केयू न्यूज लेटर' कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की सामूहिक गति. विधियों का दर्पण है जिसमें विश्वविद्यालय की तमाम सूचनाओं का समावेश है, यही सूचनाओं का समावेश विश्वविद्यालय के आंतरिक संचार में बेहद सहायक है। उन्होंने जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया और उनकी टीम को इस प्रयास के लिए बधाई दी। इस अवसर पर जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने कहा कि जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान का प्रयास कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभी विभागों, संस्थानों के प्रबुद्ध शिक्षकों, प्रशासनिक अधिकारियों और विद्यार्थियों के विचारों को एक संचार माध्यम प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपने संच. ार माध्यम 'केयू न्यूज लेटर' के माध्यम से देश के समस्त 1100 से अधिक विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन एवं सोशल मीडिया माध्यम से पहुंच बना रहा है जो हमारे लिए गर्व की बात है। प्रोफेसर पू. निया ने कहा कि 'केयू न्यूज लेटर' के चौ. थे एडिशन में विशेष रूप से विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सो की दाखिला प्रक्रिया, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, नई शिक्षा नीति का प्रचार–प्रसार, आटो अपील सिस्टम, इंटर्नशिप, रैगिंग रोकने की प्रशासनिक मुहिम, आई, आई. एस. और विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर, स्पोर्ट्स, साइंस एंड रिसर्च, एनसीसी एंड एनएसएस, कैंपस प्रोग्राम, यूथ एंड कल्च. रल वेलफेयर प्रोग्राम, हेल्थ सेंटर न्यूज, टीचिंग एंड नॉन टीचिंग न्यूज, एलुमनाई एंड प्लेसमेंट, ग्रीन कैंपस, क्लीन कैंपस इत्यादि सम्मिलित हैं। इस अवसर पर जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थ. ान के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं केयू न्यूज लेटर कमेटी टीम के सदस्य डॉ. मधुदीप, डॉ. अभिनव, डॉ. तपेश किरण, डॉ. प्रदीप कुमार, राहुल अरोड़ा, अमित जागड़ा विमोचन अवसर पर उपस्थित रहे।

कुवि के सेवानिवृत्त शिक्षक व कर्मचारियों को प्रशासन की ओर से विदाई पार्टी

कुवि परिसर : कुवि में एक शिक्षक व चार गैर–शिक्षक कर्मचारियों की सेवा. निवृत्ति अवसर पर प्रशासन की ओर से विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालय के उत्थान में शिक्षकों व कर्म. चारियों की अहम भूमिका होती है। शिक्षक व कर्मचारी शिक्षण संस्थान का मजबूत आधार होते हैं जो संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। सेवानिवृत्त होने वालों में इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के प्रो. प्रदीप कुमार, एकेडमिक ब्रांच के प्रूफ रीडर भूप सिंह, गोपनीय शाखा के दफ्तरी मेहर चंद, हॉर्टिकल्चर से हेड माली राम कुमार व निर्माण शाखा से पम्प ड्राइवर सुरेन्द्र सिंह शामिल हैं। इस मौके पर प्रो. राकेश कुमार, प्रो. नरेन्द्र सिंह, कुटा प्रधान प्रो. दीपक राय बब्बर, प्रो. प्रदीप मित्तल, डॉ. संजय त्यागी, डॉ. अवनीश वर्मा, लोक सम्पर्क विभाग की उप–. निदेशक डॉ. जिम्मी शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, डॉ. पंकज गुप्ता, कुंटिया महासचिव रविंद्र तोमर, अजमेर सिंह, मुनीष खुराना सहित सेवानिवृत्त कर्मचारियों के परिवारजन मौजूद थे।

राष्ट्रीय पार्लियामेंट में भाग लेगी कुवि की टीम

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने 29 मार्च को विश्वविद्यालयोंध्महा. विद्यालयों के लिए आयोजित 17वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता, 2024–25 के प्रथम स्तर पर अर्हता प्राप्त की है। संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 17वीं युवा संसद प्रतियोगिता के परिणाम घोषित किए गए जिसमें आठ विश्वविद्यालय/ संस्थानों को समूह स्तर प्रतियोगिता के प्रथम स्तर के लिए विजेता घोषित किया गया है जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का नाम शामिल है। इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बधाई देते हुए कहा कि युवा संसद प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को देश की वास्तविक संसद की व्यावहारिक कार्यप्रणाली से परिचित कराना और उनमें लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना करना है। राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता एक वार्षिक कार्यक्रम है जिसका आयोजन लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने, सार्वजनिक भाषण को प्रोत्सा. हित करने और छात्रों के बीच संसदीय जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है। संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महा. विद्यालयों में राष्ट्रीय सुवा संसद प्रतियो. गिता का आयोजन करता है। वर्तमान में विश्वविद्यालयों में 17वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता चल रही है। प्रथम स्तर पर विजेता बनने के बाद कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम राष्ट्रीय स्तर की पार्लियामेंट प्रतियोगिता में भाग लेगी। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौध. ारी ने बताया कि संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 1 सितम्बर से 31 अक. टूबर 2025 के बीच तीन संभावित तिथिय. ां मांगी गई है जिन पर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए मूल्यांकन किया जा सके। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का अंतिम कार्यक्रम मंत्रालय द्वारा यथ. ासमय सूचित किया जाएगा। इस अवसर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. नीरज बातिश मौजूद थे।

डॉ. अजय सोलखे को मिली आई.सी.एस.एस.आर अनुसंधान परियोजना

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अजय सोलखे को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान प. रषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा एक प्रतिष्ठित शोध परियोजना प्रदान की गई है। इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने डॉ. सोलखे और उनकी टीम को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने उच्च–गुणवत्ता वाले, प्रभावशाली अनुसंध ान को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया जो सीधे सामाजिक प्रगति और राष्ट्रीय विकास में योगदान देता है। उन्होंने कहा कि आईस. ीएसएसआर के सामाजिक एवं मानव विज्ञ. ान में दीर्घकालिक अध्ययन हेतु प्राप्त यह महत्वपूर्ण अनुदान, डॉ. सोलखे के प्रस्ता. वित कार्य की महत्वता को उजागर करता है। नीति से व्यवहार तक भारत के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण (टीवीईटी) नीति प. रवर्तन, कौशल अंतराल गतिशीलता और जनसांख्यिकीय लाभांश प्राप्ति पर एक दीर्घकालिक अध्ययन शीर्षक वाली इस परियोजना को 30,00,000ध्– रुपये (तीस लाख रुपये) के बजट के साथ अनुमोदित किया गया है। डॉ. सोलखे प्रमुख अन्वेषक के रूप में कार्य करेंगे, तथा विभिन्न संस्थ. ानों के पांच निपुण शिक्षाविदों की एक टीम का नेतृत्व करेंगे, जिनमें डॉ. जय किशन चंदेल, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, प्रोफेसर राजिंदर सिंह, शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. सरबजीत कौर, जाि. कर हुसैन कॉलेज , दिल्ली विश्वविद्यालय, डॉ. परवीन कुमार, आईआईएम जम्मू, डॉ. ज्योति, युवा उद्यमिता एवं सशक्तिकरण विभाग, हरियाणा सरकार शामिल हैं। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार न केवल डॉ. सोलखे की व्यापक विशेषज्ञता को मान्यता देता है, बल्कि भारत के राष्ट्रीय विकास एजेंडे में उनके शोध की महत्वपूर्ण प्रासंगिकता को भी रेखांकित करता है। यह व्यापक अध्ययन टीवीईटी नीति कार्यान्वयन का बारीकी से पता लगाएगा, मौजूदा कौशल अंतराल का विश्लेषण करेगा, और गतिशील राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के भीतर भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश को साकार करने पर उनके प्रभाव की जांच करेगा। डॉ. सोलखे इस परियोजना में अमूल्य अनुभव लेकर आए हैं, उन्होंने इससे पहले भी दो अन्य वित्त पोषित शोध परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सि. टी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के अध्यक्ष प्रो. सुशील शर्मा ने भी डॉ. सोलखे व् उनकी पूरी टीम को अपनी शुभकामनाएं दीं और कहा की यह परियोजना शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भविष्य की नीतिगत हस्तक्षेप को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण डेटा और सिफारिशें प्रदान करने के लिए तैयार है।

कुवि के सीनियर मॉडल स्कूल में नो प्लास्टिक डे मनाया गया

कुवि परिसर : पर्यावरण को स्वस्थ व सुरक्षित रखने के लिए प्लास्टिक का प्रयोग तुरंत प्रभाव से बंद कर देना चा. हिए। अगर बाजार में खरीददारी करने जा रहे हैं तो हाथ से बना कपड़े व जूट का बैग साथ लेकर जाएं। यह विचार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन आफ सा. इसिज प्रो. संजीव अरोड़ा ने शुक्रवार को यूनिवर्सिटी सीनियर सैकेंडरी मॉडल स्कूल में आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए प्लास्टिक के बैग व प्लास्टि. टक की स्टिक का प्रयोग न करने के लिए कहा। स्कूल परिसर में पंहुचने पर स्कूल की वाइस चेयरपर्सन प्रो. सुनीता दलाल व प्रधानाचार्य डॉ. सुखविन्द्र सिंह ने उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमें अपनी नदियों को भी साफ रखना चाहिए। नदियों में कभी भी पालिथीन नहीं डालना चाहिए। नदी में डाला गया पालिथीन पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाता है। इसके अलावा छात्रों को आगे आकर अपने अभिभावकों को प्रेरित करना चाहिए कि वे जब भी बाजार जाएं तो कपड़े का बैग साथ लेकर जाएं और किसी भी दुकान से पालिथीन में सामान न लें और जब भी जूस व अन्य पेय पदार्थ पिएं तो प्लास्टिक की पाईप का प्रयोग न करें। इसके अलावा कहीं

से भी प्लास्टिक बैग या रेपर मिले तो उसे एक बोतल में एकत्रित कर लें। इस अवसर पर बीज पेंसिलें और प्लास्टिक–. रहित पेन छात्रों को वितरित किए गए। साथ ही फोल्डर और अध्ययन सामग्री भी बाँटी गई। स्कूल की वाईस चेयरपर्सन प्रो. सुनीता दलाल ने कहा कि जल्द ही स्कूल में हाथ से बनाने वाले बैग की भी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से समाज में जागरूकता आएगी। उन्होंने प्रो. संजीव अरोड़ा का आभार प्रकट किया कि उन्होंने छात्रों को जागरूक किया। इस अवसर पर स्कूल की शिक्षिका श्रीमती महिमा अरोड़ा, डॉ. एमएम सिंह, डॉ. सुशील टाया, श्रीमती प्रभा चौहान, अंजलि जैन, अंचला भारद्व ाज, आईआईएचएस की छात्रा गीतांजलि, प्रीति, सुषमा, लीजा आदि मौजूद थे।

कुवि में पाँच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की अधिसूचना जारी

कुवि परिसर : कुवि के कुलपति के आदेशानुसार सत्र 2025–26 के लिए कुवि शिक्षण विभागोंध्संस्थानों के शैक्षणिक कैलेंडर की अनुसूची को मंजूरी दी गई है, (शिक्षा, इंजीनियरिंग और बी.फार्मेसी कार्यक्रमों को छोड़कर) जो स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए (दिनध्सप्ताह शिक्षण) है। कुवि में सत्र 2025–26 से 5 दिन सप्ताह में अध्यापन होगा जिसकी अधिसूचना जारी की गई है। एकेमिक शाखा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कुवि में दाखिला प्रक्रिया 1 जुलाई से 21 जुलाई 2025 तक चलेगी। विषम सेमेस्टर के लिए पहला शिक्षण सत्र 22 जुलाई से 18 अक्टूबर तक, दिवाली की छुट्टियाँ 19 अक्टूबर से से 26 अक्टूबर तक होंगी। दूसरा शिक्षण सत्र 27.10.2025 से 24. 11.2025 तक होगा जबकि परीक्षाएँ 25 नवम्बर से आगे आयोजित की जाएगी। सम सेमेस्टर के लिए अध्यापन सत्र 01 जनवरी, 2026 से 28 फरवरी, 2026 तक, द्वितीय शिक्षण सत्र 09 मार्च से 5 मई 2026 तक तक होगा तथा परीक्षाएँ 06 मई, 2026 से आगे आयोजित की जाएगी जबकि ग्रीष्मकालीन अवकाश 03 जून से 30 जून 2026 तक होगा। कार्यकारी प. रषद के दिनांक 27.04.2025 के रिजोलुशन संख्या 13 के अनुसार कुलपति द्वारा सत्र 2025–26 से कुवि में पाँच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की अधिसूचना जारी की गई है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों का कार्यभार यूजीसी, राज्य सरकार के दिशानिर्देशों द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार नियंत्रित किया जाएगा।

पत्रकार प्रशिक्षण परियोजना पर राष्ट्रीय पत्रकार संघ की कार्यशाला की परियोजना

कुवि परिसर : जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान में पत्रकार प्रशिक्षण परियोजना पर राष्ट्रीय पत्रकार संघ की कार्यशाला आयोजित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पत्रकार संघ(भारत) के प्रति. निधि मंडल ने गुरुवार को आईएमसीटी के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल में संघ के प्रधान रास बिहारी, प्रधान सचिव प्रदीप तिवारी व के.एस. चौहान शामिल थे। इस अवसर पर उन्होने संस्थान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया से मिलकर पत्रकारों के प्रशिक्षण संबंधी परियोजना को लेकर गहन वैचारिक मंथन किया। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पत्रकार संघ(भारत) पत्रका. रों को प्रशिक्षण शिविरों एवं कार्यशाला के माध्यम से उनको अद्यतन करने का कार्य कर रहा है। इसी सिलसिले में प्रतिनिधि मंडल ने आज कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थ. ान का अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने निकट भविष्य में शीघ्र ही प्रशिक्षण शिविर एवं कार्यशाला आयोजन हेतु अपनी परियोजना को संस्थान के निदेशक के साथ साझा किया। इस अवसर पर संस्थ. ान के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने उनको सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री कंवरदीप मौजूद रहे।

Don't Study Just for a Degree

Learn to Build Your Unique Ability: An Advice from KU's star Alumna

Dr. Pardeep Rai
Assistant Professor, IMC&MT, KUK

In the long and proud history of Kurukshetra University, there is a rich chapter dedicated to its star alumni who have set new milestones in various fields, nationally and internationally. In this issue of KU Newsletter, we feature one such shining star Bharti Monga, a distinguished alumna of the Department of Chemistry, who graduated in 1996 and went on to achieve remarkable heights in her career. Born and brought up in Sirsa town and married in Amblala she rose to the position of Business Head of pharmaceutical giant Cipla presently serving as sucessful entrepreneur, she has left her mark on the professional world.

-As far as we know, your campus placement was like a never-heard-before news story. Could you share what happened?

My campus placement was actually a pretty unique story. I was doing my MSc in Chemistry, and somehow I ended up getting selected in the MBA campus placement and that became the talk of the town. A big pharmaceutical company had come to hire MBAs for sales and marketing, but my department chairman, who really admired my communication skills, told me to give the interview a shot. And then, a miracle happened they selected me along with the MBAs. Suddenly, I was doing MBA-type work, which wasn't my forte at all, but my background in Chemistry became my real strength. In fact, the company even sent me to a world-famous business school to do an MBA

-Very interesting! So, your communication skills became your launching pad. In this context, could you tell students about the importance of communication skills in a career and how they can master them?

Yes, whatever your field may be, a good command over language is almost a prerequisite. First, make a firm promise to yourself you cannot take communication skills for granted. To master them, my mantra is simple: Read… Read… Read. Unfortunately, the younger generation, overwhelmed by social media exposure, has drifted away from reading. But reading alone is not enough. You must follow it with analysis, introspection, and forming your own original opinions. My humble appeal to today's youth: Read, introspect, and scrutinize.

-If we're not mistaken, you began from scratch and went on to touch the sky?

Yes, I did start from scratch and reached significant heights — though I wouldn't want to make tall claims like "I touched the sky." With all modesty, I can say I received the maximum promotions possible. But the picture isn't all rosy. It's not a cakewalk to travel the distance from a humble beginning to the top boss position. It came at a great personal cost — unfathomable sacrifices like staying away from my children, extensive travel, and pushing my body beyond its limits.

Ms Bharti Monga,
KUK Alumna (Batch-1996)
Department of Chemistry,
Former Business Head-Cipla
Presently, successful entrepreneur

-You became the business head of a leading pharmaceutical giant, and after a long and successful innings as a top boss, you switched to entrepreneurship a few years ago. In your assessment, which domain is better—job or startup?

Without any exaggeration and without leaning toward one side, I would like to put it as it is: frankly speaking, both domains have their own pros and cons. Each strengthens you in certain areas while testing you in others. But looking at the current reality—when the number of job seekers in India is growing exponentially—we need entrepreneurs in equal measure to strike a balance. Today, I feel an indescribable satisfaction in having the liberty to give someone a job without seeking anyone's permission."

-Balancing a high-pressure role — with frequent travel between your hometown and Mumbai and overseeing a vast region for the company — along with household responsibilities is no easy feat. How did you manage it?"

Better you ask this question to my husband and in-laws — they could answer it best. These great people freed me from all household responsibilities and managed everything at their end, without a single shikva-shikayat (complaint). My husband, despite holding a high managerial post himself — and still serving in that capacity — supported me immensely. We often hear the saying, 'There is a woman behind every successful man,' but in my case, it's the man who stood behind a woman's success. Frankly, they were the wind beneath my wings.

-Overall, whom would you like to give credit for your success?

Let me share the cake of credit among different stakeholders. A big slice goes to my alma mater — Kurukshetra University. The mentorship of the teachers in the Department of Chemistry, and especially Prof. Sanjeev Arora, made me realize my true potential. Another generous slice goes to my family — particularly my in-laws, My parents — whose support has been invaluable. My children — my daughter and son ; they adjusted to many changes and sacrifices for the sake of my professional growth.

-And finally, your special message or advice to young students?

My advice will not be sugar-coated — it's meant to bring you closer to reality. Limit your time on social and digital media. Don't abandon the reading habit; even now, I read daily because we can't excel without it — in career or in life. Be a sensitive human being; professionalism without humanity upsets life's balance. Don't study just for a degree — grasp concepts deeply.

-Dear Madam….A bundle of thanks for this wonderful conversation.

Treasured Memories of KU's Rock Garden

KU Newsletter Answers the Question on Many Students' Mind And It's a Heartfelt One

Mansi
Student, IMC&MT, KUK

Behind the girls' hostel at KU lies a peaceful and special place-a quiet spot with a Five- feet long Shivling beneath a large Peepal (Bo) tree. For many students, especially girls hostel residents, this space holds spiritual meaning. Some visit it for prayers, while others go there simply to sit and find calmness in their busy campus lives. But over the years, a common question has often been asked by students: Did this place come into existence naturally, or was it created on purpose? The KU Newsletter team looked into the past- and what we found was a beautiful, and almost forgotten story. Nearly 40 years ago, this peaceful area was part of a Rock Garden, located close to the NCC shooting range. Inspired by the famous Nek Chand Rock Garden of Chandigarh, it was filled with sculptures made from waste materials like glass, bangles, broken tiles, pipes, and wires. The garden was just artistic- it was spiritual. In the center stood same Shivling, which still remains today. From the 1980s to the early 2000s, the Rock Garden was a popular place among students, and visitors. People came here to relax, reflect, or simply enjoy the creativity & calmness. The garden had a unique charm-its sculptures, made from discarded items, gave new life to waste and brought beauty to a corner of the campus. However, with time, things changed. As the university grew and new buildings were built, many of the sculptures were removed or fell apart. Slowly, the Rock Garden faded away. Today, only the Shivling remains-silent but strong. During festivals like Shivratri or special Mondays, students and workers still gather at

the Shivling to offer prayers and sing bhajans. Even children of the KU staff can be seen playing nearby, unaware of the rich history under their feet. The area becomes harder to reach during the rainy season due to muddy paths, yet people continue to visit it with devotion.This quiet corner now stands as a reminder off what once was- a place of art, peace, and spirit. Though the garden has disappeared, its memory lives on through the Shivling and the emotions, it still stirs in those who visit. As KU moves forward this sacred space silently reminds us: Some places may fade from sight, but they never fade from the heart.

भारत की भारतीय अवधारणा विषय पर प्राध्यापक गोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित

कुवि परिसर : आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से भारत का इतिहास सदैव गौरव एवं गर्व से परिपूर्ण रहा है। पूरे विश्व में यही भारत की सांस्कृतिक पहचान है। आध्यात्मिक संस्कृति ही भारत की आत्मा है। यहां की लोक सांस्कृतिक आध्यात्मिकता में व्यवसायिकता एवं भारत की धर्म संस्कृति के दर्शन होते हैं। सदियों से चली आ रही इसी परम्परा के आधार पर भारत ने पूरे विश्व में अपनी अलग पहचान बनाई है।

यह उद्गार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य ने मंगलवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डॉ. बी.आर. अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र एवं विवेकानंद विचार मंच द्वारा सीनेट हॉल में भारत की भारतीय अवधारणा विषय पर प्राध्यापक गोष्ठी एवं संवाद कार्यक्रम में व्यक्त किए। इससे पहले डॉ. मनमोहन वैद्य, कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, एनआइटी के निदेशक प्रो. बीवी रमन्ना रेड्डी, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल तथा केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. मनमोहन वैद्य ने कहा कि आजादी के पश्चात भारत का सही स्वरूप में मूल्यांकन एंव नीतियों का प्रस्तुतिकरण नहीं हुआ जिसकी बदौलत भारत उसके साथ आजाद होने वाले देशों से आर्थिक प्रगति एवं सांस्कृतिक समृद्धता के क्षेत्र में उतनी प्रगति नहीं कर पाया जितनी होनी चाहिए थी। प्रथम सदी से लेकर 18वीं सदी तक भारत का पूरे विश्व की जीडीपी में 31 प्रतिशत से अधिक योगदान रहा है। भारत का व्यवसायिक स्वरूप यूरोप की नकल नहीं है। भारत स्वयं की पहचान का परिचायक है। इससे पहले केयू डॉ. भीमराव अम्बेडकर अध्ययन केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह ने मुख्यातिथि तथा आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया तथा मुख्यातिथि डॉ. मनमोहन वैद्य का आत्मिक परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि अम्बेडकर शोध संस्थान समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि भारत की भारतीयता में सांस्कृतिक विविधता निहित है। भारत विविध संस्कृतियों का देश है। इसकी विविधता में एकता ही भारत की विशिष्ट पहचान है। वर्तमान दौर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भारत में भारतीय संस्कृति, भाषा एवं संस्कारों को स्थान दिया गया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय भारत का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जिसने पूरे देश में सभी प्रावधानों के साथ एनईपी को सर्वप्रथम लागू किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में रोजगारपरकता एवं लोक सांस्कृतिक विविधता का समावेश देखने को मिलता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज का व्याख्यान वास्तव में भारतीय सांस्कृतिक परम्पराओं से जुड़ा हुआ व्याख्यान रहा जिसमें डॉ. मनमोहन वैद्य ने भारत की सांस्कृतिक परम्पराओं एवं धार्मिक संस्कारों एवं सरोकारों को भारतीय परम्परा के अनुसार प्रस्तुत किया है। उन्होंने सभी अतिथियों सहित मीडिया बंधुओं का भी धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. संगीता धीर ने किया।

इस अवसर पर एनआईटी के निदेशक प्रो. बी.वी. रमना रेड्डी, कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. एआर चौधरी, केन्द्र के निदेशक डॉ. प्रीतम सिंह, विजय कुमार नड्डा, संजय, चंद्र, विकास, प्रो. नीलम ढांडा, प्रो.उषा, प्रो. रीटा, प्रो. परमेश कुमार, प्रो. मोहिन्द्र चांद, प्रो. अमित लूदरी, प्रो. सुशीला चौहान, प्रो. निर्मला चौधरी, प्रो. अनिल वशिष्ठ, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, प्रो. कुसुम लता, डॉ. रमेश सिरोही, विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों के शिक्षक, शोधार्थी व विद्यार्थी मौजूद थे।

हरिकेश पपोसा को मिला कला रत्न अवार्ड

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूआईईटी में कार्यरत कर्मचारी हरिकेश पपोसा को उनके कला, संस्कृति और समाज सेवा के प्रति समर्पण को लेकर 12 जुलाई को दिल्ली कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में कला रत्न अवार्ड से इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर, रविंद्र सहित अन्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर कलाकार हरिकेश पपोसा ने अवार्ड की उपलब्धि को लेकर सोमवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा से भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर समाजसेवी जय भगवान सिंगला, डॉ. अजय जांगडा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

कुलपति ने किया यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आंतरिक शिकायत समिति का पोस्टर जारी

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि छात्राओं की सुरक्षा विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न के प्रति शून्य सहिष्णुता रखता है।

यह विचार उन्होने शुक्रवार को कुलपति कार्यालय में यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) का पोस्टर जारी करते हुए व्यक्त किए। इस पोस्टर में छात्राओं और कर्मचारियों को किसी भी प्रकार के यौन उत्पीड़न की स्थिति में आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया है। पोस्टर में संबंधित अधिकारी के आपातकालीन नंबर भी दिए गए हैं। इसके साथ ही शिकायत कैसे दर्ज की जाए यह बताया गया है।

इस अवसर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए आईसीसी के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आईसीसी समिति द्वारा पूरी गोपनीयता के साथ छात्राओं की शिकायत का समाधान किया जाता है।

कुलपति ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम और निषेध के लिए समिति के अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा किए गए उनके प्रयासों के लिए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, प्रो. सुनीता सिरोहा, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. कुसुम लता, प्रो. अनिता भटनागर प्रो. अनिता दुआ, प्रो. वनिता ढींगरा, डॉ.अंकेश्वर प्रकाश, मीनाक्षी वर्मा, राहुल सहित अन्य मौजूद थे।

कुलपति ने किया एस.डी.जी. पुस्तक का किया विमोचन

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने प्रो. (डॉ.) ए.आर. चौधरी, डॉ. मीनाक्षी सुहाग, डॉ. संजीव कादयान, सुखबीर सिंह, डॉ. नरेंद्र कुमार, श्रीमती रजनी देवी द्वारा सम्पादिक पुस्तक सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) वर्तमान समझ और नई संभावनाओं की खोज का विमोचन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने पुस्तक के सम्पादको को बधाई देते हुए कहा कि यह संपादित खंड, सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) वर्तमान समझ और नई संभावनाओं की खोज, एक सामयिक अकादमिक प्रयास है जो हमारे ज्ञान को गहन करने और वर्तमान विमर्श की सीमाओं का विस्तार करने के लिए बहु–विषयक अंतदृष्टि, क्षेत्र–आधारित साक्ष्य और दूरदर्शी विचारों को एक साथ लाता है। पुस्तक के सम्पादक प्रो. एआर चौधरी ने बताया कि यह पुस्तक इंदु बुक सर्विसेज प्राइवेट लि. मिटेड, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित है। यह पुस्तक सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) से संबंधित अवधारणाओं को सार्थक कार्यों में परिवर्तित करने के लिए कार्यरत हैं।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पॉल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. (डॉ.) ए.आर. चौधरी, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, पर्यावरण विभाग से डॉ. मीनाक्षी सुहाग, डॉ. नीरज बातिश, सीनियर रिसर्च फैलो लाईब्रेरी साइंस से सुखबीर सिंह, गवर्नमेंट कॉलेज मटक माजरी इंद्री से श्रीमती रजनी देवी मौजूद थे।

कुवि के 19 विद्यार्थियों की हुई कैम्पस प्लेसमेंट

कुवि परिसर : कुवि के प्रशिक्षण, प्रशिक्षुता और रोजगार केंद्र द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में एमबीए के 19 विद्यार्थियों की कैम्पस प्लेसमेंट हुई। इसकी जानकारी देते हुए प्लैसमेंट आफिसर और केयूसीटी. आईई के कोऑर्डिनेटर डॉ. महेन्द्र सिंह ने बताया अवैरेशिस साल्यूशन प्राईवेट लिमि. टेड द्वारा कुवि के एमबीए के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन मोड से प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जिसमें लगभग 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमे 13 विद्यार्थियों का चयन कम्पनी द्वारा अंतिम रूप से किया गया। इन विद्यार्थियों को 4 लाख से 6 लाख रुपये का वार्षिक वेतन कंपनी की तरफ से दिया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों में अजय, चिराग, हर्षित, कृष्ण कुमार, नेहा, रिया, तन्वी, भावना, खुशी, लोकेश शर्मा, शिवानी, चिनी सिंगला और रजत कपूर शामिल हैं। कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विद्यार्थियों के चयन पर विद्यार्थियों व पूरी प्लेसमेंट टीम को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि इसके अलावा बहु. राष्ट्रीय कम्पनी मैक्कर द्वारा भी 6 विद्यार्थियों का चयन किया गया। कम्पनी के प्रतिनिधियों ने कुवि का दौरा करके विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा और व्यक्तिगत साक्षात्कार लिया। इस कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव में लगभग 35 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। कम्पनी चयनित विद्यार्थियों को 4 लाख सालाना वेतन भत्तों के रूप में देगी। चयनित छात्र–छात्राओं में अंकुर, रिया, खुशी, वंशिका, श्वेता और भावना शामिल हैं। डॉ. महेन्द्र सिंह ने बताया कि अब तक इस शैक्षणिक सत्र में विभिन्न कंपनियों में एमबीए के लगभग 110 छात्र–छात्राओं का चयन देश की विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हो चुका है जिसमें 4 लाख से लेकर 16 लाख सालाना पैकेज विद्यार्थियों को मिला है। डॉ. सिंह ने बताया कि आने वाले दिनों में और भी कई कंपनियां विद्यार्थियों का चयन करेगी। विद्यार्थियों के चयन पर कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. दिनेश कुमार, विभागाध्यक्ष प्रो. सुशील शर्मा, आईएमएस के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल, प्रो. जस. विन्द्र सिंह ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

केयू के धरोहर हरियाणा संग्रहालय में हरियाली तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया

कुवि परिसर : तीज भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है जो कि भारतीय त्यौहारों की संस्कृति एवं परम्प. राओं को प्रदर्शित करता है। प्रत्येक वर्ष हिन्दू पंचांग के अनुसार हरियाली तीज का पर्व श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने इस पर्व का आध्या. त्मिक, प्रकृति तथा महिला सशक्तिकरण की दृष्टि से विशेष महत्व है। यह उद्गार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने रविवार को केयू ध रोहर हरियाणा संग्रहालय द्वारा आयोजित हरियाली तीज उत्सव–2025 कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने तीज त्यौहार की विश्वविद्यालय परिवार को बध ाई देते हुए कहा सावन के महीने में जब संपूर्ण धरा पर हरियाली की चादर बिछी रहती है तब सभी प्रकृति के इस मनोरम क्षण का आनंद लेने के लिए झूले झूलते हैं तथा लोक गीत व तीज के गीत गाकर उत्सव विशेष रूप से मनाते हैं। हरियाली तीज के दिन महिलाएं अपने पति की लम्बी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य तथा सफलता के लिए कामना करती हैं। तीज उत्सव पर कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल सहित सभी लोगों ने धरोहर परिसर में झूला झूलकर तीज त्यौहार मनाया व मिठाई वितरित की गई। कुवि कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल ने सभी को बधाई देते हुए मंगल कामना की। इस मौके पर कुलपति की धर्मपत्नी डॉ. ममता सचदेवा, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र पाल व उनकी धर्मपत्नी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर.चौधरी, प्रो. जसबीर ढांडा, प्रो. विवेक चावला, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, डॉ. मीनाक्षी सुहाग, डॉ. आनन्द कुमार, डॉ. जितेन्द्र खटकड़, डॉ. पूजा, धरोहर क्यूरेटर डॉ. कुलदीप आर्य, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

डॉ. सुनीता सिरोहा व डॉ. वीरेन्द्र सिंह बने एकेडमिक काउंसिल के सदस्य

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार अंग्रेजी विभाग की प्रोफेसर डॉ. सुनीता सिरोहा तथा इलेक्ट्रानिक्स विभाग के प्रोफेसर डॉ. वीरेन्द्र सिंह को तुरन्त प्रभाव से आगामी दो वर्षो के लिए कुवि एकेडमिक काउंसिल का सदस्य बनाया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

शिक्षक डॉ. अनिल कुमार को मिला सर्व. श्रेष्ठ पेपर अवार्ड

कुवि परिसर : इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्ट्डीज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से गल्फ मेडिकल यूनिवर्सिटी, अजमान, यूएई के थुम्बे कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एंड एआई इन हेल्थकेयर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर अवार्ड मिला है। संस्थान के निदेशक प्रो. अनिल मित्तल ने भी डॉ. अनिल कुमार को सर्वश्रेष्ठ पेपर अवार्ड मिलने पर शुभकामनाएं दी।

डॉ. अनिल गुप्ता बने कुवि प्राक्टर

कुवि परिसर : आईआईएचएस के प्रोफेसर अनिल गुप्ता को तत्काल प्रभाव से प्रॉक्टर नियुक्त किया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी। डॉ. अनिल गुप्ता ने अपनी इस नियुक्ति के लिए कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट करते हुए पूरी जिम्मेवारी व कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने की बात कही।

डॉ. आनंद कुमार बने मुख्य सुरक्षा अधिकारी

कुवि परिसर : आईआईएचएस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेशों तक मुख्य सुरक्षा अधिक. ारी नियुक्त किया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया देते हुए बताया की इसके साथ ही सांख्यिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जितेन्द्र खटकड़ को तत्काल प्रभाव से उप–मुख्य सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

डॉ. ऋषिपाल कुवि कार्यकारिणी परिषद के सदस्य मनोनीत

कुवि परिसर : डॉ. ऋषिपाल को विश्वविद्यालय की कार्यकारिण ी परिषद का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह मनोनयन कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा द्वारा आगामी एक वर्ष की अवधि हेतु किया गया है। डॉ. ऋषिपाल ने अपने मनोनयन पर कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट किया।

प्रो. अवनेश वर्मा बने इंस्ट्ररूमेंटेशन विभाग के अध्यक्ष

कुवि परिसर : कुवि परिसर, इंस्ट्ररूमेंटेशन विभाग के प्रो. अवनेश वर्मा को आगामी तीन वर्षो के लिए इंस्ट्ररूमेंटेशन विभाग का चेय. रपर्सन बनाया गया है। प्रो. महासिंह पूनिया ने बताया कि इसके साथ ही प्रो. अवनेश वर्मा एकेडमिक कांउसिल तथा फैकल्टी ऑफ साइंसिज के सदस्य होंगे तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज के चेयरपर्सन भी होंगे।पर कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट किया।

डॉ. अजय जांगडा बने कुटिक के कोर्डिनेटर

कुवि परिसर : कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार यूनिवर्सिटी इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी(यूआईईटी) के एसोसिएट प्रोफेसर लेफ्टिनेंट (डॉ.) अजय जांगड़ा को तत्काल प्रभाव से कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी इंक्यूबेशन सेंटर (कुटिक) का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

डॉ. विशाल अहलावत को मिली कुटिक के डिप्टी कोर्डिनेटर की जिम्मेवारी

कुवि परिसर : कुवि परिसर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार यूआईईटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विशाल अहलावत को कुटिक का डिप्टी कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

प्रो. अवनेश वर्मा ने संभाला इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के अध्यक्ष का कार्यभार

कुवि परिसर : इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के प्रो. अवनेश वर्मा ने इंस्ट्रूम. ेंटेशन विभाग के चेयरपर्सन का कार्यभार विधिवत् रूप से संभाला। उन्होंने पदभार संभालने के बाद कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का आभार प्रकट करते हुए विभाग के हित में कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने की बात कही। प्रो. अवनेश वर्मा एकेडमिक कांउसिल तथा फैकल्टी ऑफ साइंसिज के सदस्य होंगे तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज के चेयरपर्सन भी होंगे।

आई.आई.एच.एस .के डॉ. प्रदीप कुमार बने एकेडमिक काउंसिल के सदस्य

कुवि परिसर : कुवि परिसर, कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार आई.आई.एच.एस. के कम्प्यूटर साइंस विभाग के एसो. सिएट प्रोफेसर डॉ. प्रदीप कुमार को एकेडमिक काउंसिल का सदस्य नामित किया गया है।

प्रो. सुनील ढींगरा व प्रो. अनिता यादव बने मूक कोऑर्डिनेटर

कुवि परिसर : यूआईईटी संस्थान के प्रोफेसर सुनील ढींगरा तथा बायो–टेक्नोलॉजी विभाग की प्रो. अनिता यादव को तत्क. ाल प्रभाव से आगामी आदेशो तक मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) का कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही यूआईईटी संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रीता दहिया तथा डॉ. निखिल मारीवाला को मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) का डिप्टी–कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया गया है।

डॉ. मीनाक्षी सुहाग एकेडमिक काउंसिल सदस्य मनोनीत

कुवि परिसर : कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के आदेशानुसार पर्यावरण अध्ययन संस्थान की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मीनाक्षी सुहाग को तत्काल प्रभाव से आगामी दो वर्षो के लिए एकेडमिक काउंसिल का सदस्य मनोनीत किया गया है। यह जानकारी लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया ने दी।

वाणिज्य विभाग के 20 छात्रों ने उत्तीर्ण की यूजीसी–नेट परीक्षा

कुवि परिसर : विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के 20 छात्रों (एम.कॉम) ने जून 2025 में आयोजित यूजीसी–नेट परीक्षा सफलताप. ूर्वक उत्तीर्ण की है। इस उपलब्धि के लिए कुवि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कुवि के 9 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि के पात्र घोषित

कुवि परिसर : कुवि परिसर, शोध समिति और परीक्षकों के बोर्ड की अनुशंसा पर 9 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने बताया कि पीएचडी डिग्री के लिए पात्र घोषित किए गए शोधार्थियों में पंजाबी से गुरदीप कौर, मैनेजमेंट से विजय, बायोटेक्नोलॉजी(यूआइईटी) से रैना सिंहमार, फिजिक्स (यूआईईटी) से सिमरनजोत कौर, संगीत से मीनाक्षी रानी तथा तनुश्री कश्यप, बायोटेक्नोलॉजी से मनु भारद्वाज, केमिस्ट्री से नेहा तथा इतिहास से मोनिका रानी शामिल है।

कुलपति ने किया द गीता एंड लॉ पुस्तक का विमोचन

कुवि परिसर : कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विधि विभ. ाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. पूजा एवं भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के विधि संकाय से डॉ. राजेश हुड्डा द्व ारा संयुक्त रूप से लिखित पुस्तक द गीता एंड लॉरू एन इंडियन नॉलेज सिस्टम का विमोचन किया।

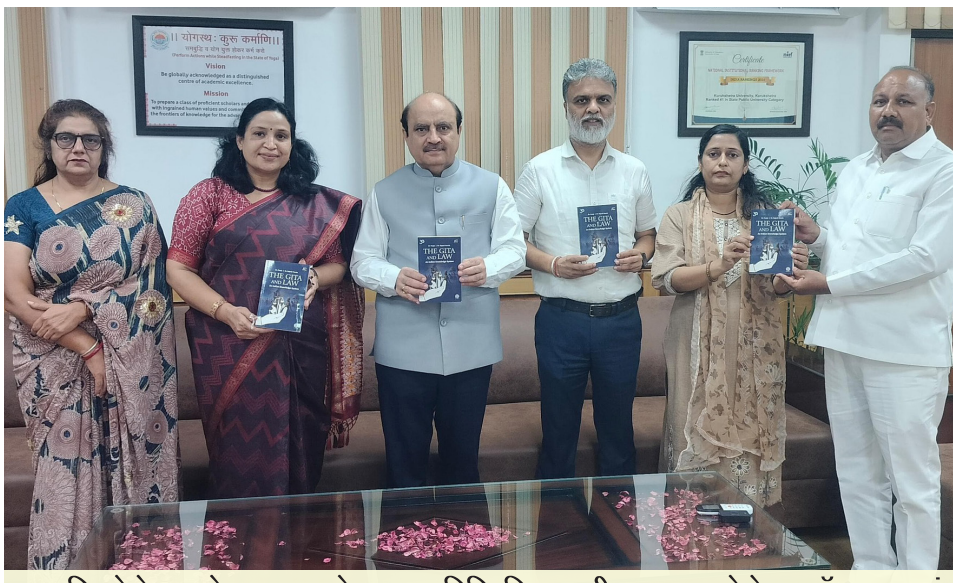

कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा द्वारा विधि विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. पूजा एवं डॉ. राजेश हुड्डा द्वारा सयुंक्त रूप से लिखित पुस्तक का विमोचन करते हुए।

कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा, कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल,
प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. महासिंह पूनिया निदेशक, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान के विद्यार्थियों के लिए ड्रेस कोड लांच' करते हुए

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान
के 'नूतन छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम' में बतौर मुख्यातिथि
कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल और निदेशक, प्रोफेसर दिनेश कुमार

धरोहर संग्रहालय में हरियाली तीज उत्सव कार्यक्रम के मुख्यातिथि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा और उनकी धर्मपत्नी डा. ममता सचदेवा कार्यक्रम में झूले का आनंद लेते हुए।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में मंगलवार को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत
कुलपति कार्यालय से विद्यार्थियों द्वारा निकाली गई तिरंगा यात्रा को
कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

हिंदी विभाग की शोधार्थी पुष्पा द्वारा यूजीसी परीक्षा में 100 प्रतिशत
पर्सेंटाइल स्कोर प्राप्त करने की उपलब्धि पर
कुलसचिव बधाई देते हुए

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा यौन उत्पीड़न के विरूद्ध आंतरिक शिकायत समिति के पोस्टर का विमोचन करते हुए।

संस्कृत पालि प्राकृत विभाग द्वारा आयोजित
10 दिवसीय पाण्डुलिपि कार्यशाला के अवसर पर
कुलसचिव डॉ. वीरेंद्र पाल का स्वागत करते हुए।

Editor. Dr. (Prof.) Maha Singh Poonia, Director, INSTITUTE OF MASS COMMUNICATION AND MEDIA TECHNOLOGY, KURKSHETRA UNIVERSITY, KURKSHETRA, Editorial Committee: Dr. Abhinav Kataria, Asst. Prof., Dr. Tapesh Kiran, Asst. Prof., Dr. Pardeep Rai, Asst. Prof., Mr. Rahul Arora, Asst. Prof., Mr. Amit Jangra, Asst. Prof., IMC&MT, Printed by : KUK Press
Published By The Registrar, Kurkshetra University, Kurkshetra. E-mail id- newsletter@kuk.ac.in